

NEO CONVENT SR. SEC. SCHOOL PASCHIM VIHAR -63

Spectrum 2023

*The SKILL is
not the LIMIT*



**116 TH EDITION
JULY - SEPTEMBER**

SPECTRUM
Of the Neonians!
By the Neonians!
For the Neonians!



"The sky isn't the limit; it is the mind that sees the sky that is limited".

In a world where achievements seem boundless, the sky is often used as a metaphorical limit. However, events, time and again, have demonstrated that the sky is not the limit when it comes to human potential and determination.

"Whatever Your Mind Can Conceive and Believe, It Can Achieve." -Napoleon Hill

When others felt it was impossible, the Wright brothers trusted their flying contraption, and now millions of people fly in planes every day.

The Chandrayaan 3 mission, a significant leap forward in India's space exploration program, demonstrates that when it comes to exploring the cosmos, there are no bounds, human curiosity is unceasing, and there is an entire universe awaiting our venture. It is about more than just breaking new ground in space exploration; it is about embodying the spirit of perseverance and commitment. In a world where possibilities are endless, we witness new forays like Aditya L1, which opens up intriguing opportunities in space exploration. It reminds us that there are no thresholds when it comes to human potential and innovation.

So let us embrace this mindset of infinite possibilities as we embark on new adventures, overcome obstacles, and strive for greatness in every aspect of life. Believe in yourself, make positivity your companion, give your best, and turn a deaf ear to all demotivation, and you shall make it. Remember, with the right mindset, there are no constraints to what we can achieve!

STUDENT FACILITATORS



Sanpreet Kaur (XIB)



Mankirat Kaur (XIB)



Jasleen Kaur (XIB)

TEACHER FACILITATORS

*Mrs. Kanchan Bhagat, Mrs. Santosh,
Mrs. Surbhi Hajela, Mrs. Geetika Manchanda
Ms. Surbhi Taneja, Mr. Mayank Grover*



ZONAL RESULTS 2023-24 (CENTRAL AND STATE)

S. NO.	NAME AND CLASS	ACTIVITY	POSITION
1.	Deepika Kumari (X-C)	Science Seminar	Second (Zonal)
2.	Deepika Kumari (X-C)	Science Seminar	First (centre level)

S. NO.	NAME AND CLASS	ACTIVITY	POSITION
1.	Bhawna (VIII - C)	Painting	Second
2.	Tanisha & Prachita (X- C) Arundhati & Yukti(VIII - B)	Debate (English) (Sr.) Debate (English) (Jr.)	Third
3.	Shreya Ruhela (VI-B)	Extempore Hindi(Jr. Girls)	Third



ZONAL RESULTS 2023-24 (CENTRAL AND STATE) (MUSIC)

S.NO	NAME & CLASS	ACTIVITY	POSITION
1.	<i>Class VI to X</i>	<i>Qawwali(Boys)</i>	<i>Second</i>
2.	<i>Sukhmani Kaur(XII-B)</i>	<i>Classical Vocal Music</i>	<i>Second</i>
3.	<i>Yukti Yadav (VIII-B)</i>	<i>Instrumental Solo</i>	<i>Second</i>
4.	<i>Damanjit Singh (X-B)</i>	<i>Instrumental Solo</i>	<i>Second</i>
5.	<i>Simar Arora (XI-A)</i>	<i>Instrumental Solo</i>	<i>Third</i>
6.	<i>Damanjeet Singh(X-B)</i>	<i>Zonal culture instrumental Solo</i>	<i>Second</i>



ZONAL RESULTS 2023-24 (CENTRAL AND STATE) (SPORTS)

S. NO.	NO. OF PARTICIPANTS	ACTIVITY	POSITION
1.	29 students Championship	Taekwondo	12 Gold 10 Silver 7 Bronze
2.	19 students Championship	Zonal Athletic Meet(Primary)	3 Gold 1 Silver 6 Bronze
3.	17 students	Taekwondo	6 Gold 6 Silver 4 Bronze
4.	21 students Gandhi Jayanti Roller Skating Championship	Skating	1 Gold 2 Silver 1 Bronze
5.	4 students	Rope Skipping	3 rd position

WORKSHOP (NEW EDUCATION POLICY 2020)

Hosted by **NEO CONVENT SR. SEC. SCHOOL**



THE FRUIT OF FREEDOM

*Our India, a new creation, leaving behind the old
British Nation, feeling so strong, so mighty, we are.*

*Breathing in the fragrance, the sweet scent of
freedom, from the trees and flowers, as we pass.*

*Wandering by these forests, these greens, these parks,
don't you forget that back in the time, these were not ours.*

*Now that we eat the fruit of freedom,
so common for us, once seemed like a delicacy.
Ate in daze by the elders, felt so hearty, so dainty.*

*The water that flows, as pure as gold,
as free as it can be, for us it seems so accessible.
But the elders never witnessed so much so a clean stream,
as for the British to provide it was such a trouble.*

*These company people imposed on us,
the unfair game of administration, seizing our rights.*

*But, those great souls didn't flinch to fight,
for what seemed to them was right.*

*The valorous soldiers, who did not care about their
own blood being shed in the name of the nation,
not to mention how they broke open from
the shackles of British chauvinism.*

*They ignited the fire of independence in our
hearts, and unfurled the flag, with power.*

*Now the diminishing courage has been lighted
once again. The bravery spirited through the pain.*

*Now the dogs have become tigers, the natives live proudly.
As graceful as a peacock, their tactics sharp as a hawk's.*

*They will not bend before anyone, nor will they
tolerate any offense. Their brotherhood is
stronger than the hardest of the diamonds.*

*By Jasleen Kaur
Class XI -B*

भगवान विष्णु जी के दस अवतार

भगवान विष्णु जी के दस अवतारों में अब तक हमने मत्स्य अवतार , कच्छप अवतार , वराह अवतार , नरसिंह भगवान और वामन अवतार के बारे में जानकारी प्राप्त की कि किस तरह उन्होंने अवतार लेकर बुराई का अंत किया ।

आज हम भगवान विष्णु जी के छठे अवतार के बारे में पढ़ेंगे ।

परशुराम अवतार — विष्णु जी के अवतार परशुराम राजा प्रसेनजित की बेटी रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे । दशावतारों में से यह छठवाँ अवतार थे । जमदग्नि के पुत्र होने की वजह इन्हें 'जामदग्न्य' भी कहते हैं । यह शिव के परम भक्त थे । भगवान शिव ने इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर परशु (फरसा) शस्त्र दिया था । इनका नाम राम भी था और परशु लेने के कारण वह परशुराम कहलाते थे ।

कहा जाता है कि परशुराम जी ने इक्कीस बार क्षत्रियों का संहार किया था । माना जाता है कि इसके पीछे उनकी प्रतिज्ञा थी ।

हैहय वंश के क्षत्रिय राजा सहस्रार्जुन को अपनी शक्ति का बहुत घमंड हो गया था और इस घमंड के कारण उन्होंने ब्राह्मणों और ऋषि-मुनियों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया । ऐसे ही एक बार सहस्रार्जुन अपनी सेना लेकर भगवान परशुराम के पिता महर्षि जमदग्नि के आश्रम में आए । महर्षि जमदग्नि ने सेना का खूब आदर सत्कार किया । महर्षि जमदग्नि के आश्रम में मौजूद चमत्कारी कामधेनु गाय के दूध से समस्त सैनिकों की भूख को शांत किया । सहस्रार्जुन के मन में कामधेनु गाय के चमत्कार को देखकर उसे पाने का लालच पैदा हो गया । अपने लालच के कारण उसने महर्षि जमदग्नि से कामधेनु गाय को छीन लिया । जब इस बात का पता परशुराम को पता चला तो उन्होंने क्रोध में आकर सहस्रार्जुन का वध कर दिया । यहीं से परशुराम जी की प्रतिज्ञा की कहानी शुरू हुई थी ।

जब सहस्रार्जुन के पुत्रों ने प्रतिशोध की अग्नि में जलते हुए महर्षि जमदग्नि का वध कर दिया और पिता की हत्या किए जाने पर उनकी माता रेणुका भी वियोग में चिता पर सती हो गई तब परशुराम ने अपने पिता के शरीर पर इक्कीस घाव देखे थे। इन्हीं घावों को देखते हुए ही उसी क्षण परशुराम ने प्रतिज्ञा ली कि वह इस धरती पर से समस्त क्षत्रियों का इक्कीस बार विनाश करेंगे। वे भगवान शिव के भक्त थे, इसलिए जब राम ने स्वयंवर में शिव के धनुष को तोड़ा था तो वे गुस्से में आए थे। परशुराम जी के तीन प्रिय शिष्य थे – भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य और कर्ण।

क्षत्रियों के अंहकारी विध्वंस से संसार को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने इस रूप में जन्म लिया था।

APPRECIATION



A special Appreciation to Mr. Ayoush Gupta F/O Miss Ankita class of Ist B (171/23) for maintaining the decorum at the School gate in the morning from 13-09-23 for a period of one week.



INDEPENDENCE DAY 2023



जी-20 (एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य)



जी-20 अर्थात् ग्रुप ऑफ ट्वेंटी, विश्व की बीस प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर्स का एक संगठन है, जिसमें उन्नीस देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इसका प्रतिनिधित्व यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष और यूरोपीय केंद्रीय बैंक द्वारा किया जाता है। आरंभ में यह वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों का संगठन हुआ करता था। इसका पहला सम्मेलन दिसंबर 1999 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन में हुआ था। इस वर्ष संस्था का मुख्य शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर 2023 को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न होगा। परंतु इसकी बैठकों का आयोजन 22 फरवरी से ही देश के अलग-अलग स्थानों में शुरू हो चुका है। भारत 30 नवंबर 2023 तक जी-20 का अध्यक्ष बना रहेगा।

इस संस्था का उद्देश्य, वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रणालीबद्ध महत्वपूर्ण औद्योगिक और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है अर्थात् हर साल ये समूह वैश्विक अर्थव्यवस्था को बढ़ाने पर चर्चा करता है। अब इस संस्था में आर्थिक मुद्दों के अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण आदि वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की जाती है। यदि हम इसके सिद्धांत की बात करें तो यह हमारी वर्षों पुरानी उक्ति "वसुधैव कुटुम्बकम्" को ही प्रतिबिंबित करता है। भारत हमेशा से ही संपूर्ण विश्व को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए कार्यरत रहा है और इस प्रकार के समूहों में भारत देश की भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। हमारा देश अपनी सोच को सार्थक करने में अवश्य सक्षम होगा।

जी-20 शिखर सम्मेलन प्रासांगिक है क्योंकि यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं

के नेताओं को महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने और उनका समाधान खोजने की दिशा में काम करने के लिए उन्हें एक साथ मंच पर लेकर आता है। इसका महत्व अंतरराष्ट्रीय सहयोग और निर्णय लेने की सुविधा और सामूहिक कार्यवाही को चलाने और सभी के लिए बेहतर भविष्य बनाने की क्षमता में निहित है।

इस समूह में शामिल देशों के ध्वज हैं—



मस्तिष्क मंथन

ध्वजों की सहायता से देशों के नाम जानने का प्रयास करें।

पहली पंक्ति— संयुक्त अमेरिका, चीन, यूनाइटेड किंगडम, भारत, इंडोनेशिया
दूसरी पंक्ति— यूरोपीय संघ, रूस, मैक्सिको, साउथ कोरिया, अर्जेंटीना
तीसरी पंक्ति— फ्रांस, ब्राजील, साउथ अफ्रीका, कनाडा, आस्ट्रेलिया
चौथी पंक्ति— तुर्की, इटली, सउदी अरबिया, जर्मनी, जापान

ACTIVITIES AND AWARDS



“A person who never made a mistake never tried anything new”

चार मोमबत्तियाँ

रात का समय था। चारों ओर घुप्प अँधेरा छाया हुआ था। केवल एक ही कमरा प्रकाशित था। वहाँ चार मोमबत्तियाँ जल रही थीं। चारों मोमबत्तियाँ एकांत देख आपस में बातें करने लगीं। पहली मोमबत्ती बोली, “ मैं शांति हूँ, जब मैं इस दुनिया को देखती हूँ, तो बहुत दुखी होती हूँ। चारों ओर आपा-धापी, लूट-खसोट और हिंसा का बोलबाला है। ऐसे में यहाँ रहना बहुत मुश्किल है। मैं अब यहाँ और नहीं रह सकती।” इतना कहकर मोमबत्ती बुझ गई।

दूसरी मोमबत्ती भी अपने मन की बात कहने लगी। “ मैं विश्वास हूँ, मुझे लगता है कि झूठ, धोखा, फरेब, बेईमानी मेरा वजूद समाप्त करते जा रहे हैं, ये जगह अब मेरे लायक नहीं रही। मैं भी जा रही हूँ।” इतना कहकर दूसरी मोमबत्ती भी बुझ गई।

तीसरी मोमबत्ती भी दुखी थी, वह बोली, “ मैं प्रेम हूँ, मैं हर किसी के लिए हर पल जल सकती हूँ, लेकिन अब किसी के पास मेरे लिए वक्त नहीं बचा। स्वार्थ और नफ़रत का भाव मेरा स्थान लेता जा रहा है। लोगों के मन में अपनों के प्रति भी प्रेम-भावना नहीं बची। अब ये सहना मेरे बस की बात नहीं, मेरे लिए जाना ही ठीक होगा।” कहकर तीसरी मोमबत्ती भी बुझ गई।

तीसरी मोमबत्ती बुझी ही थी कि कमरे में एक बालक ने प्रवेश किया। मोमबत्ती को बुझा हुआ देख उसे बहुत दुख हुआ। उसकी आँखों से आँसू बहने लगे। दुखी मन से वह बोला, “इस तरह बीच में ही मेरे जीवन में अँधेरा कर कैसे जा सकती हो? तुम्हें तो अंत तक पूरा जलना था। लेकिन तुमने मेरा साथ छोड़ दिया। अब मैं क्या करूँगा?”

बालक की बात सुन चौथी मोमबत्ती बोली, “घबराओ नहीं बालक, मैं आशा हूँ और मैं तुम्हारे साथ हूँ। जब तक मैं जल रही हूँ, तुम मेरी लौ से दूसरी मोमबत्तियों को जला सकते हो। चौथी मोमबत्ती की बात सुनकर बालक का ढाँढ़स बंध गया। उसने आशा के साथ शांति विश्वास और प्रेम को पुनः प्रकाशित कर लिया।

“GRATITUDE – A PERSPECTIVE”

“The more you count your blessings, the more blessings you'll have to count.” Gratitude is an emotion that is similar to appreciation. It is both a trait and a state. Gratitude is experiencing and admiring the goodness of life. Having an optimistic outlook on life helps us maintain a positive mindset and live gracefully. Expressing gratitude costs nothing, yet has so many benefits associated with it. Greatness starts with being grateful. If one wants to truly enjoy the real essence of life then one needs to start culminating the habit of being grateful in their daily life. Being thankful is a vital component of happiness as it helps us portray life in a positive aspect. In today's world we are surrounded with plethora of emotions like jealousy, anger, and anguish. This is where gratitude acts as a tool of instant transformation from feeling frustrated to feeling abundant and satisfied. It is much easier to focus on burdens than on gifts. It is a shift in perspective – you start seeing world with a different aspect, you start focusing on the blessings more than the obstacles of your life. It is of paramount importance as it not only transforms our inactive state to a zealous one but also helps to put things into perspective. Too many of us tend to direct our energy towards our fears. We all can have whatever we want but the illusion of fear is the only limitation we have which can only be eliminated with the use of a potent tool – GRATITUDE. Let us all see the grass on our side as greener, let us be content with what we have and not cry because of our plight. It is always easier to admire others' wealth, but the real happiness is in accepting the way things are for us.

PRATISHTHA DASS X-C

WORKSHOPS ATTENDED BY TEACHERS



*Mrs. Poonam Bhardwaj
Learning Outcomes
and Pedagogies*



*Mrs. Pratibha Madan
Experiential learning*



*Mrs. Reenu Rastogi
Learning Outcomes
and Pedagogies*



*Mrs. Priyanka Chaudhary
STRESS
MANAGEMENT*



*Mr. Mayank Grover
PYTHON*



*Mrs. Komal sharma
VALUE
EDUCATION*



CONGRATULATIONS!



Prachita Yadav of X C has won the National Hindi Talent Award in International Hindi Olympiad 2023 organised by Hindi Vikas Sansthan. She was bestowed with Gold Medal at Auditorium, Teen Murti Bhawan, Pradhanmantri Sangrahalaya, New Delhi-110011 on Wednesday, 29th November 2023.

TEACHERS' DAY CELEBRATION



A good teacher is the one who can inspire hope, ignite imagination and instil a love of learning.



CREATIVE CORNER

OUR READER'S VIEWPOINT



ECOCIDE IN THE HILLS

This summer vacation, I visited popular hill stations Kullu and Manali with my family, for a short trip. We drove through farms where



the natives were working. The view in the morning was breathtaking. As the sun rose from behind the mountains, it cast a warm, yellow-orange glow across the sky, creating a picturesque sight.

Devastation of Manali made me very sad

As we journeyed through the mountains, we chanced upon herds of sheep and cows grazing peacefully on the slopes, oblivious to the travellers who were silently capturing them on camera. This brings me to the present scenario where news headlines are full of the destruction of these beautiful places due

to floods. I never could have imagined that the very beauty I had admired just a few months ago would be ravaged by nature's fury. Even after reconstruction, a profound crack will always remain in the hearts of its people and those who witnessed its beauty.

DEEPIKA KUMARI, class X, Neo Convent Sr Sec School, Paschim Vihar, New Delhi



MY SPACE

PENTASOFT OLYMPIAD

Classes I and II

132 Students participated and 13 Students bagged the Gold Medals, 4 in Coloring, 5 in English, 4 in Mathematics.

WORKSHOPS



“Find out who you are and do it on purpose.”

NEO CLUBS



READERS' HIVE CLUB



DRAMATICS CLUB



SCIENCE CLUB



COMMERCE CLUB



COMPUTER CLUB



SPIC AND SPAN CLUB



ENVIRONMENTAL CLUB



HERITAGE CLUB